कृषि विज्ञान केन्द्र

गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, चूरू (राज.)

ई–न्यूज लेटर

सितम्बर, 2025, अंक 17

मूंगफली की फसल में सिंचाई प्रबंधन विषय पर असंस्थागत प्रशिक्षण

राष्ट्रीय खाध तेल मिशन–तिलहन (NMEO-05) द्वारा प्रायोजित कलस्टर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन अन्तर्गत मूंगफली उत्पादन बढाने हेतु मूंगफली की फसल में सिंचाई प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय असंस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन सुजानगढ तहसील के गांव गेडाप में 5 अगस्त 2025 को किया गया । जिसमें 29 कृषक व कृषक महिलाओं ने भाग लिया । प्रशिक्षण दौरान किसानों को मूंगफली की विभिन्न सिंचाई अवस्थाओं, सुक्ष्म सिंचाई तकनीकों, जल बचत उपायों के बारे में अवगत करवायचा । साथ ही जल सरंक्षण के उपायों, उन्नत कृषि तकनीकियों तथा मौसम आधारित कृषि प्रबंध पर भी चर्चा की गई । प्रशिक्षण दौरान जिले में मूंगफली में पीलापन की समस्या के प्रबंध हेतु उपस्थित उचित उपायों के बारे मे परामर्श भी दिया गया ।

कपास में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर द्वारा दिनांक 14 अगस्त 2025 को कपास फसल में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन विषय पर असंस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें गांव भानीपुरा के 26 कृषकों ने भाग लिया । कपास फसल में पोषक तत्वों की पुर्ति के लिए मृदा में संतुलित पोषक तत्वों की प्रयोग करना अति आवश्यक है । प्रशिक्षण के दौरान एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन (INM) के विभिन्न अवयवों के अन्तर्गत कार्बनिक एवं जैविक खाद तथा जैव उर्वरकों का उपयोग रासायनिक उर्वरकों के साथि संतुलित रूप से करने हेतु प्रशिक्षित किया गया । कपास फसल में पुष्पन व टिंडा वृद्वि के समय 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट` घोल के दो छिडकाव करने हेतु सलाह दी गई ।

पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर द्वारा दिनांक 16–22 अगस्त 2025 तक पार्थेनियम (गाजर घास खरपतवार प्रबंधन) जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसके अन्तर्गत खेतों एवं सडक किनारे उगी पार्थेनियम घास की पहचान कर नष्ट करने हेतु प्रदर्शन व श्रमदान कार्यक्रमों का आयोजन तथा प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों को इसके प्रबंधन की वैज्ञानिक विधियों से अवगत करवाया गया, साथ ही पार्थेनियम घास द्वारा मानव स्वास्थय, पशुधन एवं फसलों पर होने वाले विभिन्न संस्थानों के लोगों को अवगत करवाकर इसके उन्मूलन के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई । पार्थेनियम खरपतवार से विभिन्न प्रकार की कम्पोस्ट खाद बनाने की विधियों का प्रायोगिक अभ्यास कृषकों को करवाया गया ।

मोठ व मूंग में रस चूसक कीटों का प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र पर दिनांक 20 व 21 अगस्त 2025 को अनुसूचित जाति उप–योजना (SCSP) के अन्तर्गत मूंग व मोठ में रस चूसक कीटों के प्रबंधन विषय पर दो दिवसीय संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन किया गया । जिसमें 25 कृषक व कृषक महिलाओं को मूंग व मोठ में रस चूसक कीट (एफिडस, सफेद मक्खी, जेसिड्स) व फलछेदक लट की पहचान के बारे में जानकारी प्रदान की गई एवं इनके प्रबंधन हेतु

थायोमिथोक्साम 25 WG का आधा ग्राम प्रति लीटर पानी व फलीछेदक प्रबंधन हेतु इमामेक्टिन बेन्जोएट 5 SG का 1 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिडकाव करने का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया ।

करोंदे के परीरक्षण एवं मूल्यसवंर्धन विषय पर प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र पर ग्रामीण महिलाओं एव युवतियों हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 20 से 21 अगस्त 2025 को केन्द्र के सभागार में किया गया । कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार स्थापित कर उधमिता विकास क्षैत्र में दक्षता प्रदान करना था । गृह विज्ञान विशेषज्ञ द्वारा करोंदे की पोष्टिकता एवं मूल्य सवंर्धन की विभिन्न विधियों जैसेः करौंदे का जैम, जैली, आचार बनाने का प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया । साथ ही बाजार की मांग, पैकेजिंग एवं विपणन रणनीतियों पर भी मार्गदर्शन प्रदान किया गया ।

दुग्ध उत्पादन एवं प्रसंस्करण तकनीक विषय पर प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर पर दिनांक 22 से 23 अगस्त 2025 को दो दिवसीय संस्थागत प्रशिक्षण ''स्वच्छ दुग्ध उत्पादन एवं प्रसंस्करण तकनीकी'' विषय पर आयोजित किया गया । इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए ग्वालों व दुधारू पशुओं की साफ–सफाई, दूध निकालने वाले बर्तनों की सफाई के बारे में जानकारी व दूध से बनने वाले उत्पाद जैसेः पनीर बनाना, दही से लस्सी बनाना, दूध से छैना बनाना, मावा निकालना, घी निकालना आदि के बारे में विशेषज्ञों द्वारा प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया । प्रशिक्षण में सरदारशहर, रतनगढ, बीदासर व सुजानगढ के पशुपालकों ने भाग लिया ।

कपास में कीट व बीमारी प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण

केन्द्र द्वारा दिनांक 23.8.25 को सरदारशहर तहसील के गांव बायला में कपास की फसल में कीट बीमारी प्रबंधन पर असंस्थागत प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें 21 कृषक व कृषक महिलाओं ने भाग लिया । प्रशिक्षणार्थियों ने कपास में जीवाणु बीमारी, रस चूसने वाले कीट आदि के लक्षण होने वाली हानि व प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की । केन्द्र के वैज्ञानिकों ने जीवाणु रोग के प्रबंधन हेतु स्ट्रेप्टोसाईक्लिन 2 ग्राम प्रति 10 लीटर पानी व रस चूसक कीटों के प्रबंधन हेतु साईपरमेथ्रिन 10 ईसी एक मिली प्रति लीटर पानी में घोलकर फसल पर छिडकाव करें ।

लनकर्ता	संपादक	प्रकाशक
श्री मुकेश शर्मा (पौध सरंक्षण विशेषज्ञ) श्री हरीशकुमार रछौया (फसल उत्पादन विशेषज्ञ) श्री श्याम बिहारी (पशुपालन विशेषज्ञ) श्री अजय कुमावत (बागवानी विशेषज्ञ) श्री कानाराम सोढ (फार्म मैनेजर) श्री रमेश चौधरी (वरिष्ठ अनुसन्धान अध्येता-NICRA)	डॉ. रमन जोधा (विषय वस्तु विशेषज्ञ गृह विज्ञान) Designed श्री सुनील कुमार वी.वी.,स्टैनो Typed श्री ओ.पी.शर्मा, टाइपिस्ट	डॉ. वी. के. सैनी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर,चूरू–I